# Computer Proficiency Certification Test

**Notations :**

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

| | |
|---|---|
| **Question Paper Name:** | Inscript 2nd Apr 2017 Shift 2 |
| **Subject Name:** | Inscript |
| **Creation Date:** | 2017-04-02 17:26:03 |
| **Duration:** | 25 |
| **Calculator:** | None |
| **Magnifying Glass Required?:** | No |
| **Ruler Required?:** | No |
| **Eraser Required?:** | No |
| **Scratch Pad Required?:** | No |
| **Rough Sketch/Notepad Required?:** | No |
| **Protractor Required?:** | No |

Mock

| | |
|---|---|
| Group Number : | 1 |
| Group Id : | 58322463 |
| Group Maximum Duration : | 10 |
| Group Minimum Duration : | 10 |
| Revisit allowed for view? : | No |
| Revisit allowed for edit? : | No |
| Break time: | 1 |
| Mandatory Break time: | Yes |
| Group Marks: | 0 |

Hindi Typing Test

| | |
|---|---|
| Section Id : | 58322499 |
| Section Number : | 1 |
| Section type : | Typing Test |
| Mandatory or Optional: | Mandatory |
| Number of Questions: | 1 |
| Number of Questions to be attempted: | 1 |
| Section Marks: | 0 |
| Display Number Panel: | Yes |
| Group All Questions: | No |

| | |
|---|---|
| Sub-Section Number: | 1 |
| Sub-Section Id: | 58322499 |
| Question Shuffling Allowed : | No |

**Question Number : 1 Question Id : 583224745 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes**

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

**Restricted/ Unrestricted:** Unrestricted
**Paragraph Display:** Yes
**Evaluation Mode:** Non Standard
**Keyboard Layout:** Inscript

Actual

| | |
|---|---|
| Group Number : | 2 |
| Group Id : | 58322464 |
| Group Maximum Duration : | 15 |
| Group Minimum Duration : | 15 |
| Revisit allowed for view? : | No |
| Revisit allowed for edit? : | No |
| Break time: | 0 |
| Mandatory Break time: | No |
| Group Marks: | 0 |

Hindi Typing Test

| | |
|---|---|
| Section Id : | 583224100 |
| Section Number : | 1 |
| Section type : | Typing Test |
| Mandatory or Optional: | Mandatory |
| Number of Questions: | 1 |
| Number of Questions to be attempted: | 1 |
| Section Marks: | 0 |
| Display Number Panel: | Yes |
| Group All Questions: | No |

| | |
|---|---|
| Sub-Section Number: | 1 |
| Sub-Section Id: | 583224100 |
| Question Shuffling Allowed : | No |

**Question Number : 2 Question Id : 583224746 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes**
होली एक रंगों से भरा और महत्वपूर्ण उत्सव है। इसे हर साल फागुन महीने में पूर्णमासी के दिन मनाया जाता है। लोग इस पर्व का बेहद उत्सुकता से इंतजार करते है और उस दिन इसे स्वादिष्ट पकवानों और रंगों के साथ मनाते है। बच्चे सुबह से ही रंगों और पिचकारियों के साथ अपने दोस्तों के बीच चले जाते है। दूसरी तरफ घर की महिलाएं मेहमानों के स्वागत के लिए चिप्स, पापड, नमकीन और मिठाई आदि बनाती हैं। यह एक खुशी और सौभाग्य का उत्सव है जो सभी के जीवन में वास्तविक रंग और आनंद लाता है। रंगों के माध्यम से सभी के बीच का मतभेद मिट जाता है। इस महत्वपूर्ण उत्सव को मनाने के पीछे प्रहलाद और उसकी बुआ होलिका से संबंधित एक पौराणिक कहानी है। काफी समय पहले एक असुर राजा था हिरण्यकश्यप। वो प्रहलाद का पिता और होलिका का भाई था। उसे ये वरदान मिला था कि उसे कोई इंसान या जानवर मार नहीं सकता, ना ही किसी अस्त्र या शस्त्र से, न घर के बाहर न अंदर, न दिन न रात में। इस असीम शक्ति की वजह से हिरण्यकश्यप घमंडी हो गया था और भगवान के बजाए खुद को भगवान समझने लगा था। यह ही नहीं, अपने पुत्र सहित सभी को अपनी पूजा करने का निर्देश देता था। हर तरफ उसका खौफ था। इसलिए सभी उसकी पूजा करने लगे सिवाय प्रहलाद के क्योंकि वो भगवान विष्णु का भक्त था। पुत्र प्रहलाद के इस बर्ताव से गुस्सा होकर हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन के साथ मिलकर उसे मारने की योजना बनायी। उसने अपनी बहन होलिका को प्रहलाद को अपनी गोद में लेकर आग में बैठने का आदेश दिया। आग से न जलने का वरदान पाने वाली होलिका भस्म हो गई। वहीं दूसरी ओर भक्त प्रहलाद को अग्नि देव ने छुआ तक नहीं। उसी समय से हिन्दु धर्म के लोगों ने होलिका के नाम पर होली उत्सव की शुरुआत हुई। इसे हम सभी बुराई पर अच्छाई की जीत के रुप में भी देखते है। रंग बिरंगी होली के एक दिन पहले लोग लकडी, घास फूस, और गाय के गोबर के ढेर में अपनी सारी बुराईयों को होलिका के साथ जलाकर खाक कर देते है। सभी इस उत्सव को गीत संगीत, पकवानों और रंगों में सराबोर होकर मनाते है। इसकी तैयारी इसके आने से सात दिन पहले ही शुरू हो जाती है। फिर क्या बच्चे और क्या बडे सभी बेसब्री से इसका इंतजार करते है और इसके लिये खूब खरीदारी करते है ।

**Restricted/ Unrestricted:** Unrestricted
**Paragraph Display:** Yes
**Evaluation Mode:** Non Standard
**Keyboard Layout:** Inscript